Table of Contents

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]
7. [illegible]
8. [illegible]
9. [illegible]
10. [illegible]

[illegible]

[illegible]



लता मंगेशक का जीवन परिचय

लेखक ने अपनी बीमारी के दौरान रेडियो पर लता मंगेशकर का गाना सुनकर उनके स्वर की अद्भुतता का अनुभव किया। लता मंगेशकर , सुप्रसिद्ध गा
को नई ऊँचाइयाँ दीं। उनकी कोमल आवाज़ और गा की ने संगीत प्रेमियों के दिलों में विशेष स्थान बनाया।

Prepzy

- लता मंगेशकर की गा की की शुरुआत और उनका परिवारिक पृष्ठभूमि।
- उनकी गा की की विशिष्टता और लोकप्रि ता।
- चित्रपट संगीत में उनका योगदान।

लता मंगेशक के गायकी विशेषताएँ

लता मंगेशकर के गाने में स्वर की कोमलता , निर्मलता और गानपन प्रमुख हैं। उनके गाने में नादम उच्चार होते हैं , जिससे शब्दों का सुंदर
है , जो श्रोताओं को भावविभोर कर देता है।

- स्वरों की निर्मलता और कोमलता।
- गानपन : संगीत में भावपूर्ण गा न।
- नादम उच्चार : स्वर के मधुर और सुसंगत उच्चारण।
- मुग्ध श्रृंगार रस की अभिव् क्ति।
- शास्त्री संगीत की गहराई और चित्रपट संगीत की लोकप्रि ता का संगम।

चित् पट संगीत औ शास्त्रीय संगीत का तुलनात्मक विश्लेषण

लेखक के अनुसार , शास्त्री संगीत और चित्रपट संगीत में तुलना करना उचित नहीं है क्योंकि दोनों के स्वरूप और उद्देश् भिन्न हैं। शास्
सरल, लचीला और लोकप्रि होता है। चित्रपट संगीत में ताल और ल की सुलभता होती है , जो आम जनता को आकर्षित करती है।

- शास्त्री संगीत की गंभीरता और परिष्कार।
- चित्रपट संगीत की सरलता , लचक और लोकप्रि ता।
- ताल और ल में भिन्नता।
- संगीत के प्रति समाज की अभिरुचि में चित्रपट संगीत का योगदान।

लता मंगेशक का संगीत क्षेत् में प् भाव

लता मंगेशकर ने चित्रपट संगीत को विलक्षण लोकप्रियता दिलाई है। उनके गाने ने शास्त्रीय संगीत की ओर लोगों के दृष्टिकोण को बदला है औ
विभिन्न प्रकारों का परिचय आम जनता तक पहुँचाया और संगीत को संस्कारित किया।

- संगीत की लोकप्रियता और अभिरुचि में वृद्धि।
- नयी पीढ़ी में संगीत के प्रति रुचि का विकास।
- लोकगीतों और विभिन्न संगीत शैलियों का चित्रपट संगीत में समावेश।
- संगीत के क्षेत्र में लता की अनभिषिक्त सम्राज्ञी की उपाधि।

प्राचीन वाद्ययंत्र

लता मंगेशकर के गाने का संक्षिप्त विश्लेषण

लता के गाने में करुण रस की अपेक्षा श्रृंगार रस की अभिव्यक्ति अधिक होती है। उनके गाने सामान्यतः ऊँची पट्टी में होते हैं, जिनमें सं
गाने तीन मिनट की अवधि में एक संपूर्ण कलाकृति होते हैं, जिनमें स्वर, लय और शब्दार्थ का त्रिवेणी संगम होता है।

- गाने में करुण रस की अपेक्षा श्रृंगार रस की प्रधानता।
- ऊँची पट्टी में गाने की विशेषता।
- तीन मिनट की अवधि में संपूर्ण कलाकृति।
- स्वर, लय और शब्दार्थ का समन्वय।

प्रश्नोत्तर और अभ्यास प्रश्न

स्तर **1** – सरल

- लता मंगेशकर का पहला गाना कब और कैसे सुना गया था?
- लता मंगेशकर की गायकी में कौन-कौन सी विशेषताएँ हैं?
- चित्रपट संगीत और शास्त्रीय संगीत में क्या अंतर है?

स्तर **2** – मध्यम

- लता मंगेशकर ने संगीत की लोकप्रियता और अभिरुचि में कैसे योगदान दिया?
- लेखक के अनुसार लता की गायकी में करुण रस की अभिव्यक्ति क्यों कम है?
- चित्रपट संगीत के विकास में लोकगीतों का क्या योगदान है?

स्तर **3** – कठिन

- लता मंगेशकर की गायकी और शास्त्रीय संगीत की तुलना करें।
- लेखक कुमार गंधर्व ने लता की गायकी को संगीत के क्षेत्र में क्यों अनमोल बताया है?
- चित्रपट संगीत ने समाज में संगीत के प्रति अभिरुचि को कैसे प्रभावित किया है?

Prepzy

उत्तर कुंजी

- लेखक ने अपनी बीमारी के दौरान रेडियो पर लता मंगेशकर का गाना सुनकर उनकी गायकी की विशिष्टता का अनुभव किया।
- लता की गायकी में स्वर की कोमलता, निर्मलता, गानपन, नादमय उच्चार और मधुरता प्रमुख हैं।
- शास्त्रीय संगीत गंभीर और परिष्कृत होता है, जबकि चित्रपट संगीत सरल, लचीला और लोकप्रिय होता है।
- लता ने संगीत को आम जन तक पहुँचाया और बच्चों में भी संगीत की रुचि बढ़ाई।
- लेखक के अनुसार लता ने करुण रस की अपेक्षा श्रृंगार रस की अभिव्यक्ति अधिक की है।
- लोकगीतों का उपयोग चित्रपट संगीत को विविधता और सांस्कृतिक गहराई देता है।
- लता की गायकी में शास्त्रीय संगीत की गहराई और चित्रपट संगीत की लोकप्रियता का संगम है।
- चित्रपट संगीत ने संगीत के प्रति समाज की सोच और अभिरुचि को व्यापक बनाया है।

त्वरित संदर्भ

- लता मंगेशकर**:** भारतीय गायिका, चित्रपट संगीत की प्रसिद्ध आवाज।
- चित्रपट संगीत **:** फिल्मों में प्रयुक्त संगीत।
- शास्त्रीय संगीत **:** परंपरागत भारतीय संगीत शैली।
- गानपन **:** संगीत में भावपूर्ण गायन।
- नादमय उच्चार**:** स्वर के मधुर और सुसंगत उच्चारण।

शब्दावली

- स्वर**:** संगीत के मूल ध्वनि तत्व।
- निर्मलता **:** शुद्धता और कोमलता।
- ताल **:** संगीत की लय।
- राग **:** संगीत का स्वरूप जो भाव व्यक्त करता है।
- ध्वनिमुद्रिका **:** रिकॉर्ड की गई संगीत ध्वनि।
- श्रृंगार रस**:** प्रेम और सौंदर्य की भावना।
- करुण रस**:** करुणा और शोक की भावना।

- [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]